Technical

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1841)

Name of Candidate	Pooja Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	154350
Center	online	Date	2/9/21

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWELVE questions printed in ENGLISH & HINDI
इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain the meaning of self-efficacy, along with its key determinants. Also, discuss the significance of high self-efficacy for a civil servant.

(150 words) 10

आत्म-प्रभावकारिता और इसके प्रमुख निर्धारकों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। साथ ही, एक सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

आत्म-प्रभावकारिता से तात्पर्य है किसी भी कार्य को पूर्ण करने की क्षमता से युक्त होना।

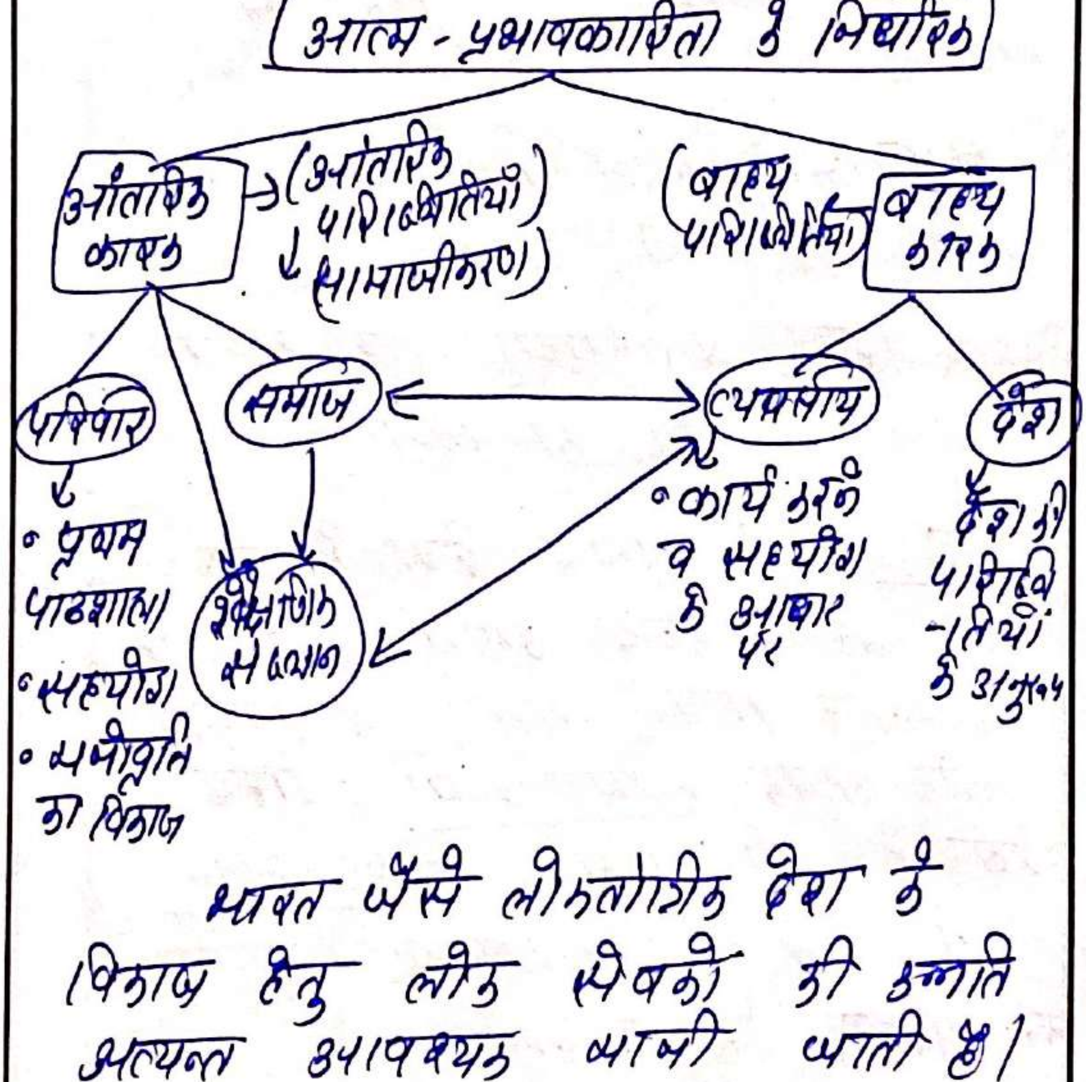

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के विकास हेतु लोक सेवकों की क्षमता अत्यन्त आवश्यक मानी जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म प्रभावकारिता का महत्व

↓

- सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायक
- नीति निर्माण एवं कार्यान्वयन में कार्यकुशलता में वृद्धि
- लोकतांत्रिक आदर्शों; स्वतन्त्रता, समानता, न्याय की प्राप्ति में सहायक
- भ्रष्टाचार, लाल-फीताशाही, भाई-भतीजावाद में कमी
- स्वस्थ, प्रतिस्पर्धी एवं अच्छी कार्य संस्कृति का निर्माण

कोविड-19 के समय देश के लोक-सेवकों द्वारा उच्च आत्म-प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया गया। राजस्थान के लोक सेवक सुमित शर्मा, मध्य प्रदेश के पी. नरहरि, IPS अतुल कुलकर्णी द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का प्रदर्शन किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what is right to do. Discuss. (150 words) 10

आपको क्या करने का अधिकार है और क्या करना सही है, इसके मध्य का अंतर जानना ही नीतिशास्त्र है। चर्चा कीजिए।

नीतिशास्त्र ; मानवीय व्यवहार एवं आचरण का मूल्यांकन करने का सिद्धांत है। जिसके अन्तर्गत बताया जाता है कि क्या सही है? क्या गलत।

नीतिशास्त्र की भूमिका

- समाज मे व्यवहार के मानदंडों की स्थापना करता है। समानता, स्वतन्त्रता, न्याय इत्यादि।
- व्यक्तिगत स्तर पर आचरण का मूल्यांकन करते हुए समाज के साथ संबंध की स्थापना मे सहायक
- प्रशासन मे लोक-सेवकों एवं जनता के मध्य संबंधों की

स्थापना हेतु मानदंडों का मानकीकरण

नीतिशास्त्र की शाखाएँ

- नियामक
  - कर्तव्यवादी
  - सद्गुण
  - प्रयोजनवादी
- अधिनीतिशास्त्र
  - पर्यावरणीय नैतिकता
  - व्यावसायिक नैतिकता
- एप्लाइड

नीतिशास्त्र में कांट का कर्तव्यवाद, बेंथम व मिल का उपयोगितावाद, प्लेटो व अरस्तू का सद्गुण सिद्धांत इत्यादि कार्य करने की स्वतंत्रता का निष्पादन करते हैं।

नीतिशास्त्र ही मनुष्य को चिंतनशील से विवेकशील एवं सद्गुणी बनाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

2. (a) Dealing with an ethical dilemma not only requires following rules and regulations, but also requires adherence to moral prudence and altruism. Explain in the context of civil services in India, with examples.

(150 words) 10

किसी नैतिक दुविधा से निपटने के लिए न केवल सहायक नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है, बल्कि नैतिक विवेक और परोपकारिता के पालन की भी आवश्यकता होती है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

दो प्रतिस्पर्धी नैतिक मूल्यों के मध्य टकराव एवं संघर्ष की स्थिति में किसी एक का चयन करने की अनिवार्यता, "नैतिक दुविधा" कहलाती है। (व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित)

नैतिक दुविधा का समाधान

① कानूनों / नियमों / विनियमों की सहायता

→ केन्द्रीय आचरण नियमावली, अखिल भारतीय सिविल सेवा आचरण नियमावली, संवैधानिक मूल्य; समानता, स्वतंत्रता, न्याय, इत्यादि की सहायता से उत्पन्न हुए नैतिक द्वन्द्वों का समाधान किया जा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सकता है।

उदाहरणार्थ → दंगों की स्थिति में आपातकालीन स्थिति में प्रायः कानून नैतिक दुविधा का समाधान करने में सहायक होते है।

⑥ नैतिक मूल्यों की सहायता से

↳ उपयोगितावादी, कर्तव्यवादी, सुखवादी गांधी का मंतर, परोपकारवाद इत्यादि नैतिकता का अनुपालन करते हुए सहायता करते है।

↳ कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रायः 'रेड टेप' के स्थान पर 'रोल मॉडल' की भूमिका उभरकर की जाती है।

हितों के संघर्ष का समाधान करते हुए लोकतांत्रिक आदर्शों की पूर्ति हेतु लोक-सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) The Code of Conduct for the civil services in India has merely remained a code; it has not helped promote ethical and moral values in governance. In this context, discuss the need for a National Commission on Integrity and Transparency in Governance. (150 words) 10

भारत में सिविल सेवाओं के लिए आचरण संहिता केवल एक संहिता बनकर रह गई है; इसने शासन (गवर्नेंस) में नीतिपरक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद नहीं की है। इस संदर्भ में, शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

केन्द्रीय आचरण नियमावली (सिविल सेवा) 1967 के तहत आचरण संहिता को अपनाया गया है।

आचरण संहिता के माध्यम से कार्यालय में कर्मचारियों द्वारा किस प्रकार आचरण करना चाहिए, कार्य संस्कृति के मानदंडों का निर्धारण किया गया है।

आचरण संहिता की कमी

- आचरण संहिता को वैधानिक दर्जा प्रदान नहीं किया गया।
- विधायी ढांचे के अभाव में आचरण संहिता का अपूर्ण कार्यान्वयन
- दंड व जुर्माने को लेकर अव्यवस्था
- नीति-परक संहिता को नहीं अपनाया गया।
- आचरण संहिता का अनौपचारिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शासन में शुचिता की स्थापना हेतु सरकार के सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता की बात की गई है।

आयोग की भूमिका

- आचरण संहिता को वैधानिक ढाँचा प्रदान करेगी।
- नीति-परक संहिता का निर्माण कर केन्द्रीय सिविल सेवा आचरण नियमावली में शामिल किया जाएगा।
- सुशासन की स्थापना हेतु नीतिपरक और नैतिक मूल्यों के अनुपालन हेतु प्रोत्साहित

संविधान की कार्यप्रणाली की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय आयोग द्वारा सुशासन की स्थापना हेतु आचरण एवं नीति परक संहिता का समन्वय की बात की गई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Digital ethics principles are necessary to prevent erosion of public values and deal with the ethical implications of digitizing governance systems. Discuss. (150 words) 10

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने और शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों से निपटने के लिए डिजिटल एथिक्स सिद्धांत आवश्यक हैं। चर्चा कीजिए।

डिजिटल एथिक्स सिद्धान्तों के अन्तर्गत डिजिटल युग से संबंधित कार्यों का / आचरण का मूल्यांकन करने हेतु सिद्धान्तों का विवेचन किया गया है।

डिजिटलीकरण की हानियाँ

- सार्वजनिक मूल्यों यथा सत्यनिष्ठा, अनामिता, निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता इत्यादि का क्षरण देखने को मिल रहा है। लोक सेवकों द्वारा फॉलोअर्स बढ़ाने की लालसा अनामिता का उल्लंघन
- शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण से डेटा सुरक्षा, गोपनीयता की संस्कृति का ह्रास, निजता का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हनन इत्यादि मुद्दे उभर रहे हैं।

डिजिटल एथीकल सिद्धांत का महत्व

① डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आचरण संबंधी मानकों का मानकीकरण किया जाना।

① डेटा सुरक्षा एवं व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा हेतु 'साइबर वॉच डाग' का प्रावधान

① इसके वैधानिक आधिकारों के डेटा संरक्षण विधेयक को लागू करना

① सार्वजनिक एवं निजी संबंधों से संबंधित एक उचित मानदंड का निर्धारण

युवाल नोआ हरारी ने अपनी पुस्तक होमो डेअस में 'धर्म डेटा' को नया धर्म बताया। ऐसे में डिजिटल एथिक्स सिद्धांत की आवश्यकता बढ़ जाती है।

3. (b) Despite differences in terms of organizational values guiding the public and private sectors, there remain certain values that are equally important to both. Discuss. (150 words) 10

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को निर्देशित करने वाले संगठनात्मक मूल्यों के संदर्भ में मतभेदों के बावजूद, कुछ मूल्य ऐसे हैं, जो दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक स्थलों एवं व्यवसायों यथा कार्यालय एवं व्यावसायिक क्षेत्र में किया जाने वाला व्यवहार सार्वजनिक नैतिकता कहलाती है। (शुचिता, सत्यनिष्ठा

पारिवारिक एवं निजी लोगों के साथ किया जाने वाला आचरण निजी संबंधों की नैतिकता कहलाती है। (प्रेम, विश्वसनीयता, लगाव, सद्भाव)

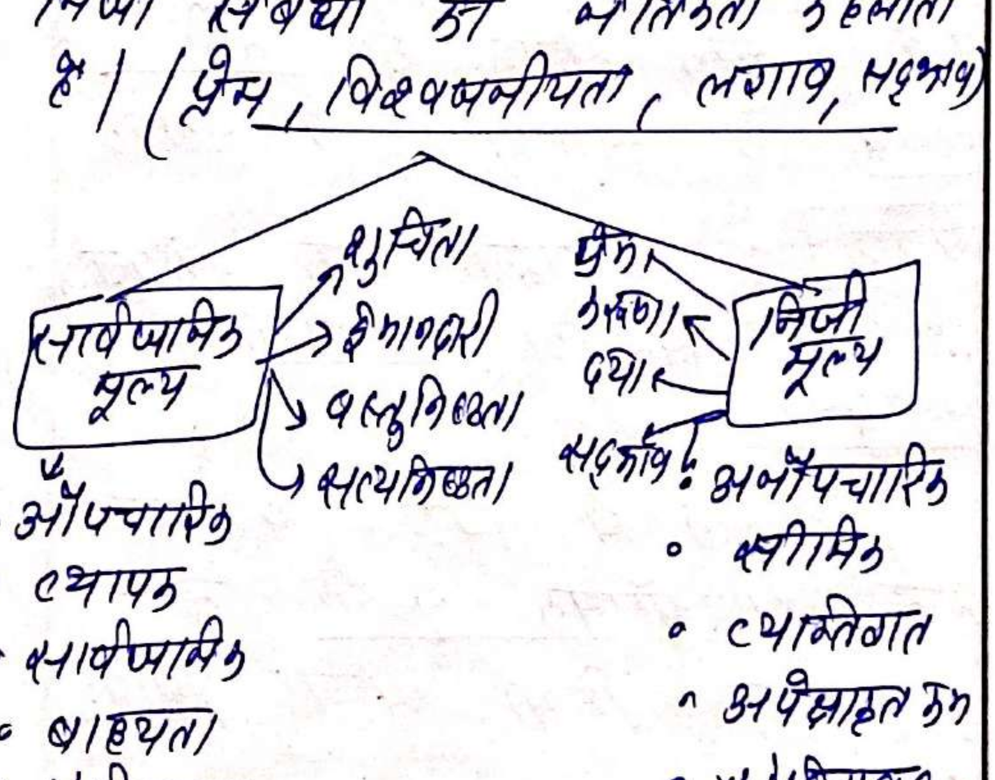

कुछ मूल्य जो दोनों के लिए समान

सत्य → सार्वजनिक एवं निजी संबंधों में सार्वभौमिक मूल्य के रूप में स्वीकारा गया है। गांधीजी, अब्दुल कलाम, रामायण का राम"

सत्यनिष्ठता → अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्धता चाहे वह परिवार के प्रति हो या कार्यालय के प्रति। लोक सेवक को हितों के संघर्ष के समाधान में सहायक

समर्पण → प्रतिबद्धता जहाँ औपचारिक होती है, समर्पण, आंतरिक व अनौपचारिक है।

समाज में विकास व सुधार हेतु सार्वभौमिक मूल्यों का अनुपालन किया जाना अपेक्षित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Bring out the difference between accountability and responsibility. Also, discuss the significance of accountability in ensuring ethical governance in the context of India. (150 words) 10

जवाबदेही और उत्तरदायित्व के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही, भारत के संदर्भ में नैतिक शासन (एथिकल गवर्नेंस) को सुनिश्चित करने में जवाबदेही के महत्व की विवेचना कीजिए।

जवाबदेही → प्राधिकृत व्यक्ति या संस्था जिसके शक्तियों एवं कर्तव्यों की प्राप्ति की जाती है के प्रति प्रतिबद्ध रहना। (संसदीय लोकतंत्र)

उत्तरदायित्व → यह व्यक्तिगत और आंतरिक होती है। जब लोक सेवक व्यक्तिगत दायित्व से कर्तव्यों का अनुपालन करता है। (सड़क पर गाड़ी ढंग से चलाना)

जवाबदेही	उत्तरदायित्व
व्यापक अवधारणा	संकीर्ण
व्यावसायिक प्रस्थापना से संबंधित	व्यक्तिगत प्रस्थापना से संबंधित
प्राधिकृत सत्ता के प्रति कर्तव्यपरायणता	स्वयं के प्रति
औपचारिक	अनौपचारिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

[नैतिक शासन में जवाबदेही का महत्व]

- राज्य की वैधता को सुनिश्चित करता है।
- प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास में वृद्धि
- स्वच्छ एवं अच्छी कार्य संस्कृति का निर्माण
- शुचिता की स्थापना में सहायक
- भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण में कमी

शासन में शुचिता की स्थापना हेतु उत्तरदायित्व + जवाबदेही + प्रवर्तनीयता का सम्मिश्रण आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Though laws and rules can be considered as the principal guide on morality for public administrators, they are not sufficient in themselves. Substantiate with examples. (150 words) 10

हालांकि कानूनों और नियमों को लोक प्रशासकों के लिए नैतिक आदर्शों हेतु प्रमुख मार्गदर्शक माना जा सकता है, किंतु ये अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

कानूनों / नियमों को सामाजिक व्यवहार की शर्तों का औपचारिक तंत्र के रूप से परिभाषित किया जाता है।

कानून-नियम, समाज में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने हेतु निर्मित किए जाते हैं।
जैसे → भारतीय दंड संहिता, केन्द्रीय सिविल सेवा आचरण नियमावली 1967

नैतिक आदर्शों हेतु सहायक

→ मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं। जैसे → दहेज प्रथा निवारण अधिनियम से समानता का मूल्य
→ नैतिक नियमों के अनुपालन

हेतु बाध्यता की स्थापना।

इसके बावजूद कानून अपने आप में पर्याप्त नहीं माने जा सकते हैं।

विधि/नियम	नैतिकता
• बाह्य पक्ष से संबंधित	• आंतरिक पक्ष से संबंधित
• समाज पर बाध्यकारी	• नैतिकता विवेकपूर्ण, स्वतः अनुपालन
• दंड का प्रावधान	• बिना दंड के सामाजिक दायित्व
• वस्तुनिष्ठ	• आत्मनिष्ठ
• बाध्यता, कर्तव्य-पालन नहीं	• कर्तव्यपरायणता

समाज की उन्नति व विकास हेतु विधि व नीति दोनों का समन्वय आवश्यक माना जाता है।

5. (a) Transparency is vital to cultivate public trust in government and to prevent, detect and deter corruption effectively. Comment. (150 words) 10

पारदर्शिता सरकार में जनता के विश्वास को विकसित करने और भ्रष्टाचार को प्रभावी ढंग से रोकने, इसका पता लगाने एवं निवारण करने के लिए महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

पारदर्शिता, सूचना साक्षात्करण के अतिरिक्त नीति निर्माण के समय प्रयुक्त मानदंडों क्रियाओं का जनता के समक्ष प्रस्तुतीकरण है।

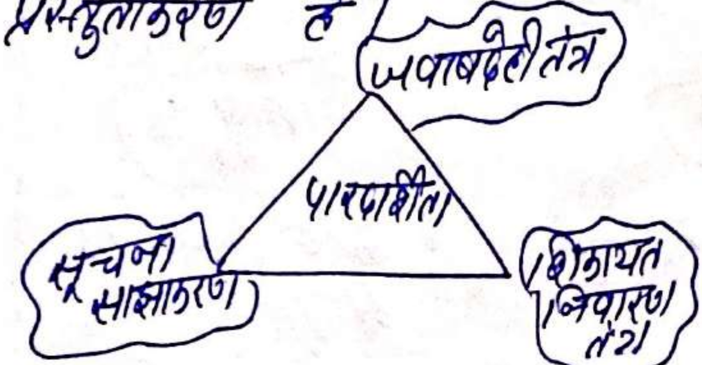

पारदर्शिता की महत्वपूर्ण भूमिका

- उचित मानदंडों एवं प्रक्रियाओं के कारण सरकार में जनता का विश्वास सुनिश्चित होता है।
  जैसे → प्रगति एप, IndEA वेबसाइट
- सूचना का आधिकार आधिकार आधिकि

की सहायता भ्रष्टाचार पर नियंत्रण

→ सिटिजन चार्टर, सामाजिक लेखा परीक्षा द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने पता लगाने व निवारण करने में सहायक।

पारदर्शिता हेतु तंत्र

कानूनी तंत्र
- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम
- बेनामी संपत्ति लेन-देन निवारण अधि०
- सूचना का अधिकार

प्रशासनिक तंत्र
- केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त
- सीबीआई
- लोकपाल-लोकायुक्त

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट अनुसार पारदर्शिता की स्थापना हेतु सामुदायिक जन-भागीदारी पूर्व-मान्यता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) 'Just-in-time' release of funds heralds a significant reform for the Indian government's payment architecture. Discuss. (150 words) 10

'सही समय पर' फंड जारी करना भारत सरकार की भुगतान संरचना के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार की शुरुआत है। चर्चा कीजिए।

भारत में लगभग 21.9% गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले लोग, निवास करते हैं। गरीबी उन्मूलन एवं कल्याण हेतु कई भिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएँ जारी की जाती है।

सही समय पर फंड जारी करना भारत सरकार की भुगतान संरचना के लिए महत्वपूर्ण सुधार की शुरुआत है, क्योंकि :

↳ सार्वजनिक निधियों एवं धन का कुशल प्रयोग किया जा सकेगा।

↳ सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को कम किया जा सकेगा।

↳ भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, राजनीतिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपराधीकरण को रोका जा सकेगा।

सही समय पर फंड जारी करने के अतिरिक्त फंडों के उचित नियोजन, प्रयोग को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" योजना में 45% विज्ञापनों पर व्यय।

इस प्रकार के अपव्यय एवं अल्पव्यय को रोकने हेतु सतत निगरानी तंत्र का गठन करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

(a) "The happiness of your life depends upon the quality of your thoughts."- Marcus Aurelius (150 words) 10

"आपके जीवन की खुशी आपके विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।" - मार्कस ऑरेलियस

व्यक्ति की खुशी / आनंद की परिभाषा अत्यंत आत्मनिष्ठ एवं परिवर्तनशील है।

प्रत्येक व्यक्ति किन बातों पर खुश होता है, यह उसके विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है।

उदाहरणार्थ → मूलतः सुखवादी / भौतिकवादी सदैव विचारों से भौतिक सुख; धन पद, प्रतिष्ठा के बारे में सोचता है, तो उसकी खुशी यहीं तक सीमित होती है।

दूसरी ओर एक व्यक्ति है जिसका लक्ष्य आध्यात्म सुख, परोपकारी है तो उसे खुशी सामाजिक कल्याण को प्राप्त कर ही प्राप्त होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाज में इसके अनेक उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे कि मणिपुर के आईएएस 'आर्मस्ट्रांग पेम' की खुशी 100 किमी सड़क निर्माण (जनहित की प्राप्ति) में निहित है।

वर्तमान में भौतिकवादी, सुखवादी, स्वार्थवादी हितों के चलते लोगों में वैचारिक ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है।

योग, प्राणायाम, व्यक्तित्वों की शिक्षाओं का अनुकरण कर विचारों की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकेगा। लोक सेवक के विचार सदैव कल्याणप्रवृत्त की ओर होने चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "The forces in a capitalist society, if left unchecked, tend to make the rich richer and the poor poorer." — Jawaharlal Nehru (150 words) 10

"एक पूंजीवादी समाज की शक्तियों को अगर अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो वे अमीर को और अमीर तथा गरीब को और गरीब बना देंगी।" - जवाहरलाल नेहरू

प्रस्तुत कथन पूंजीवादी समाज की नकारात्मक छवि को प्रस्तुत करता है। पूंजीवादी समाज लाभ प्रतिस्पर्धा कल्याण पर निर्भर करता है जिसमें सामाजिक कल्याण हेतु कोई स्थान नहीं होता है।

पूंजीवादी व्यवस्था के नकारात्मक प्रभाव

→ अत्यधिक लाभ की आशा → कल्याण की अवहेलना → समाज में असमानता में वृद्धि

→ आर्थिक असमानता में वृद्धि (ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 1% धनी लोगों के पास 28% संपत्ति है)

→ पर्यावरणीय प्रभाव → प्राथमिकताओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के चलते जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन की समस्या।

पूँजीवाद के समाधान स्वरूप भारत ने लोकतांत्रिक समाजवाद "मिश्रित समाजवाद" को अपनाया गया।

उपाय

- निजी व सार्वजनिक हितों के मध्य सामंजस्य
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की व्यवस्था
- शोषणकारक पूँजीवाद → हितकारक पूँजीवाद की ओर

सामाजिक कल्याण व विकास हेतु समावेशी बाजार व्यवस्था को अपनाना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "Honesty is the first chapter in the book of wisdom". – Thomas Jefferson (150 words) 10

"ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय ईमानदारी है।" - थॉमस जेफरसन

" विद्या ददाति विनयम् "

ज्ञानशील व्यक्ति को सही - गलत के मध्य का भेद करना आता है।

थॉमस जेफरसन के कथनानुसार ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय ईमानदारी है, वर्तमान की शिक्षा प्रणाली एवं नैतिक मूल्यों के मध्य का संबंध समझा जा सकता है।

ईमानदारी से अभिप्राय प्रतिबद्धता -ओं और मूल्यों के प्रति निष्ठा से है। वर्तमान की समस्याएँ यथा भ्रष्टाचार, लाल - फीताशाही, राजनीतिक अपराधीकरण इत्यादि का कारण नैतिकता विहीन शिक्षा को माना जाता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

है।

कथन का महत्व (वर्तमान संदर्भ)

→ समाज में व्याप्त विषमताएँ व भेदभाव की समाप्ति में सहायक (कर्तव्यों का ईमानदारी से अनुपालन)

→ आर्थिक विषमताओं की समाप्ति हेतु (करों का समय व ईमानदारी से भुगतान करना)

→ प्रशासनिक स्तर पर लोक-सेवकों द्वारा पूरी ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन।

नई शिक्षा नीति, 2020 के माध्यम से नैतिकता एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा का प्रावधान किया जाएगा।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. You are posted as a District Magistrate in a district, which is witnessing a high caseload of COVID-19 pandemic patients. The physical infrastructure and human resources in the district are stretched much beyond their capacity. At the peak of the pandemic, certain reports emerge that the District Medical Officer has been misusing his position to abuse female employees in his department and coercing them to have sexual relations with him. However, the concerned officer not only has an impeccable academic record but also a profound professional track record. You also need his presence and guidance to deal with the pandemic situation in the district. But, there is pressure from the media and civil society organisations to immediately report the matter to the State authorities for action against the concerned officer.

   Given the situation, answer the following:

   (a) Identify the stakeholders and issues involved in the above case.

   (b) What are the options available to you? Discuss their pros and cons.

   (c) What will be your final course of action? Justify with reasons. **(20)**

   आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं, जहां कोविड-19 महामारी के रोगियों की संख्या काफी अधिक है। जिले में भौतिक आधारभूत संरचना और मानव संसाधन का उनकी क्षमता से बहुत अधिक दोहन हो रहा है। महामारी के चरम पर, कुछ रिपोर्ट्स सामने आती हैं कि जिला चिकित्सा अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर अपने विभाग में महिला कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहा है एवं उन्हें उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है। हालांकि, संबंधित अधिकारी का न केवल त्रुटिहीन अकादमिक रिकॉर्ड है, बल्कि उसका पेशेवर ट्रैक रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा है। जिले में महामारी की स्थिति से निपटने के लिए आपको उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। लेकिन, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों की ओर से संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य के अधिकारियों को तुरंत मामले की सूचना देने का दबाव है।

   ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

   (a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

   (b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनके गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए।

   (c) आपकी अंतिम कार्रवाई क्या होगी? कारण सहित औचित्य सिद्ध कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आपातकालीन स्थितियों में संसाधनों के उचित दोहन, विरोधाभासी परिस्थितियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं धैर्यता का प्रयोग, सिविल सेवक के कर्तव्यों के निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रस्तुत घटनाक्रम में इसी प्रकार की परिस्थिति का वर्णन किया गया है।

(अ) प्रकरण में शामिल हितधारक

- → जिला
- जिला मजिस्ट्रेट "मैं" ←
- → महिला कर्मचारी
- डॉक्टर ←
- → मीडिया
- नागरिक समाज ←
- → राज्य
- राज्य के अन्य अधिकारी ←

प्रकरण में शामिल मुद्दे

- जिले में कोविड-19 महामारी की स्थिति, साथ ही संसाधनों की कमी
- जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आपद स्थिति को सुलझाते हुए "निष्पक्ष न्याय" की स्थापना करने का दबाव।
- चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई (दोषी पाए जाने पर)
- महिला कर्मचारियों को मानवाधिकार व मौलिक अधिकारों का संरक्षण।
- मीडिया और नागरिक समाज के मध्य सूचना साझाकरण एवं पारदर्शिता को बनाए रखने का मुद्दा।
- राज्य में कोविड-19 के साथ महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(d) उपलब्ध विकल्पों का वर्णन

प्रथम विकल्प → डॉक्टर/ चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

गुण
- महिला कर्मचारियों को न्याय
- मीडिया व नागरिक समाज की संतुष्टि

दोष
- कोविड-19 के चलते मानव संसाधनों की कमी
- स्वास्थ्य संबंधी समस्या

द्वितीय विकल्प → महिला कर्मचारियों से चुप रहने को कहेंगे।

गुण
- कोविड-19 स्थिति का समाधान
- स्वास्थ्य स्थितियों तक पहुँच

दोष
- महिला कर्मचारियों के अधिकारों का हनन
- कोर के 'आदर्श राज्य' का हनन

(स) [अंतिम कार्यवाई]

जिला चिकित्सा अधिकारी के कृत्य हेतु निगरानी समिति का गठन जो लगाए गए आरोपों की जाँच करेगी। महिला कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर न्याय की प्राप्ति का आश्वासन दूँगी।

दोषी पाए जाने पर चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्यवाई तथा जब तक कोविड-19 हेतु उचित संसाधन की आपूर्ति न हो जाए, कार्य करने हेतु रखा जाए (पद से इस्तीफा देने के बावजूद)

(कारण) → पद से हटाए जाने से (महिला अधिकारी की रक्षा)
→ कार्य पर बनाए रखना (आपात स्थिति के समाधान हेतु)
→ परिस्थिति नियंत्रण में आने के बाद कड़ी कार्यवाई करने का अवसर।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are posted as the Superintendent of Police (SP) of a district, which has witnessed several lynching related crimes in the recent past. One day, a police station in the district got an SOS that in a particular village under their jurisdiction, two women have been accused of witchcraft and are now being paraded naked by the villagers. Given the past record of crimes in the village, it was likely that they would be killed by the villagers. When a police team from the station reached the spot and tried to save the two women from the mob, a scuffle broke out. In the ensuing scuffle, the police were brutally attacked and they had to retaliate by lathicharging in order to save themselves. The incident left three villagers dead. There is anger amongst the villagers, who are also a critical vote bank of the ruling party in the state. As the SP, you have been instructed to institute a quick enquiry and take the strictest action against the police team who lathicharged. You are aware that with elections around the corner, you need to diffuse the situation quickly.

Given the situation, answer the following :

(a) Identify the stakeholders and the issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Which of these will you choose and why?

(c) As an objective and scientfic-tempered administrator, what steps will you suggest in the long-run to deal with mob lynching? (20)

आप उस जिले के एक पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं, जहां हाल के दिनों में लिंचिंग से संबंधित कई अपराध हुए हैं। एक दिन, जिले के एक पुलिस स्टेशन को एक SOS मिला कि उनके क्षेत्राधिकार के एक विशेष गांव में दो महिलाओं पर जादू टोना करने का आरोप लगाया गया है और ग्रामीणों द्वारा उन्हें नग्न अवस्था में घुमाया जा रहा है। गांव में अपराधों के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, यह संभावना थी कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा मार दिया जाएगा। थाने से पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को भीड़ से बचाने का प्रयास किया तो हाथापाई हो गई। आगामी हाथापाई में, पुलिस पर बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें स्वयं को बचाने के लिए लाठीचार्ज करके जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस घटना में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गुस्सा है, जो राज्य में सत्ताधारी पार्टी का एक महत्वपूर्ण वोट बैंक भी हैं। एक SP के रूप में, आपको त्वरित जांच करने और लाठीचार्ज करने वाली पुलिस टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आप जानते हैं कि चुनाव नजदीक हैं, आपको स्थिति को जल्द से जल्द शांत करने की आवश्यकता है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

(c) एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक स्वभाव वाले प्रशासक के रूप में, मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए दीर्घावधि में आप क्या कदम सुझाएंगे?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा मॉब लिंचिंग के अपराध की सुलझाने हेतु त्रि-स्तरीय व्यवस्था की सिफारिश की गई थी।

प्रस्तुत प्रकरण मॉब-लिंचिंग एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अभाव को प्रदर्शित करता है।

(अ) प्रकरण में शामिल हितधारक

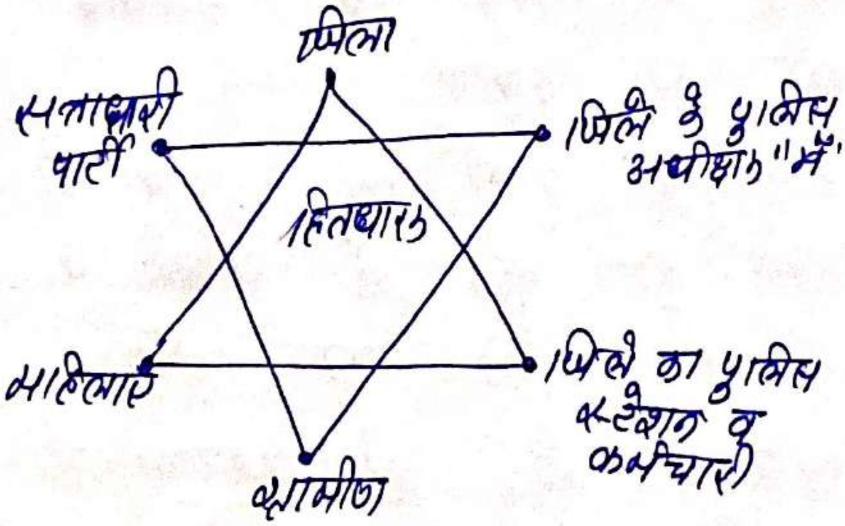

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ञ) प्रकरण में शामिल मुद्दे

- लोकतांत्रिक आदर्शों का दमन
- महिलाओं के मौलिक अधिकारों का हनन
- जिले की पुलिस अधीक्षक होने के नाते "हितों का संघर्ष" से सामना करना।
- ग्रामीणों जिनकी मृत्यु हुई और पुलिस कर्मचारियों पर कार्यवाई करने का दबाव
- सत्ताधारी पार्टी एवं चुनावों को देखते हुए मुद्दे के फैलने व बड़ा रूप लेने का भय
- समाज से अंधविश्वास की समाप्ति एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की उत्पत्ति करना।

(ब) उपलब्ध विकल्प

प्रथम विकल्प → लाठीचार्ज करने वाली पुलिस टीम पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाई की जाएगी।

गुण
- ग्रामीणों का गुस्सा शांत
- सत्ताधारी पार्टी व चुनावों की स्थिति शांत

दोष
- पुलिस कर्मचारियों (जिनके साथ मारपीट की) के साथ अन्याय
- महिलाओं के साथ अन्याय

द्वितीय विकल्प → ग्रामीणों के खिलाफ सख्त कार्यवाई, पुलिस स्टेशन/कर्मचारियों को क्लीन चिट।

गुण
- पुलिस कर्मचारी के साथ न्याय
- महिलाओं के साथ न्याय

दोष
- ग्रामीणों के प्रति असंतोष
- नया विवाद पैदा होने की संभावना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तृतीय विकल्प के रूप में ग्रामीणों की हत्या के लिए पुलिस कर्मचारियों पर कानूनी कार्यवाई, साथ पुलिस के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ भी कार्यवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाई।

अत्यन्त न्यायप्रिय कर्तव्यवादी एवं निष्पक्ष होने के कारण तृतीय विकल्प का चुनाव करूंगी।

(स) मॉब लिंचिंग से निपटने हेतु कदम

सामाजिक
- लोगों में कानून एवं विधि के शासन के प्रति श्रद्धा का भाव पैदा करना।
- कानूनी व नैतिक शिक्षा हेतु सोशल मीडिया व नागरिक समाज की भूमिका

कानूनी
- मॉब लिंचिंग हेतु कठोर कार्यवाई की अनुशंसा।
- ग्रामीण परिवेशों में सख्त तैनाती
- आधिक पुलिस बलों की तैनात

9. You are an Airworthiness Officer posted with the Directorate General of Civil Aviation, tasked to conduct the safety audit of a major airline of the country. During the recent audit, you find that some of the airplanes belonging to the airline do not fully meet a few of the International Civil Aviation Organization (ICAO) safety standards. The issues are minor, mainly pertaining to some incomplete aircraft maintenance logs and safety rules related to training of the crew. The airline belongs to a very influential business conglomerate with close ties to all major national political parties and has a long history of ethical business practises. The point person appointed by the airline to communicate with you has assured that everything will be in order in a couple of months. Your senior in the department has also indicated that it is best not to mention such minor issues in the report, particularly given the image of the business group involved and the trust it enjoys. He also reiterates the assurance given by the airline to address these issues at the earliest in a time-bound manner. However, you are aware that airline safety norms are paramount and every other consideration is secondary to the safety of the crew and passengers. As a public servant appointed to uphold public trust, answer the following:

(a) Bring out the dilemmas that you face, elaborating on the competing values in the given situation.

(b) What are the options available to you? Discuss the merits and demerits of each. Which of these will you choose and why? **(20)**

आप नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में तैनात एक वायुयान अधिकारी हैं, जिसे देश की एक प्रमुख एयरलाइन की सुरक्षा ऑडिट करने का काम सौंपा गया है। हाल के ऑडिट के दौरान, आप पाते हैं कि उस एयरलाइन से संबंधित कुछ हवाई जहाज अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के कुछ सुरक्षा मानकों को पूरी तरह से पूर्ण नहीं करते हैं। ये मुद्दे बहुत मामूली हैं, जो मुख्य रूप से कुछ अधूरे विमान रखरखाव लॉग और चालक दल के प्रशिक्षण से संबंधित सुरक्षा नियमों से संबंधित हैं। एयरलाइन का सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से घनिष्ठ संबंध है और साथ ही यह एक बहुत ही प्रभावशाली व्यापारिक समूह से संबंधित है एवं इसका नैतिक व्यापार व्यवसाय का एक लंबा इतिहास है। आपके साथ बात-चीत करने के लिए एयरलाइन द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने आश्वासन दिया है कि कुछ महीनों में सब व्यवस्थित हो जाएगा। विशेष रूप से इसमें शामिल व्यावसायिक समूह की छवि और इसे प्राप्त विश्वास को देखते हुए विभाग में आपके वरिष्ठ ने भी संकेत दिया है कि रिपोर्ट में ऐसे छोटे-छोटे मुद्दों का उल्लेख न करना ही बेहतर है। उन्होंने एयरलाइन द्वारा इन मुद्दों को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से संबोधित करने के लिए दिए गए आश्वासन को भी दोहराया। हालांकि, आप जानते हैं कि एयरलाइन सुरक्षा मानदंड सर्वोपरि हैं और चालक दल एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई भी अन्य विचार गौण हैं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए नियुक्त एक लोक सेवक के रूप में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) दी गई स्थिति में प्रतिस्पर्धी मूल्यों का सविस्तार वर्णन करते हुए, आपके सामने आने वाली दुविधाओं पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर्तव्यवादी सिद्धांत के अनुसार कर्तव्य भावना से किया गया कार्य सर्वश्रेष्ठ व उचित माना जाता है। (कांट, गीता)

दूसरी तरफ उपयोगितावादी मानते हैं कि "अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख" कार्य करने का पैमाना होना चाहिए।

प्रस्तुत घटनाक्रम में लोक सेवक के समक्ष इसी प्रकार का द्वन्द्व प्रदर्शित किया गया है।

(अ) दी गई स्थिति में प्रतिस्पर्धी मूल्यों का वर्णन निम्नांकित

→ कर्तव्य बनाम उपयोगिता

(एक तरफ सुरक्षा अवलोकन का कर्तव्य, दूसरी तरफ मामूली मुद्दों की अवहेलना)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सत्यनिष्ठता बनाम उपयोगितावाद

(एक तरफ सिद्धान्तों का पालन है, दूसरी तरफ अधिकतम व्यक्तियों का सुख)

→ साधन व साध्यों की पवित्रता के मूल्यों का संघर्ष

→ व्यक्तिगत हित बनाम व्यावसायिक हित

→ संवैधानिक मूल्यों के मध्य संघर्ष

→ चलता है, संस्कृति बनाम कर्तव्य निष्ठा की संस्कृति

→ व्यक्तिगत नैतिकता बनाम व्यावसायिक नैतिकता के मध्य संघर्ष

सीवी समक्ष आने वाली दुविधाएँ

→ एक तरफ समय से सुरक्षा ऑडिट का कार्य सौंपना, दूसरी तरफ मामूली मुद्दों के वजह से कानूनी कार्यवाई करने का नया दायित्व।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ बहुत मामूली मुद्दों की आड़ में आगामी भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना।
(अल्पकालिक हित बनाम दीर्घकालिक हित में से चुनाव)

(ब) उपलब्ध विकल्प

प्रथम विकल्प → मामूली मुद्दों की अवहेलना कर, सुरक्षा ऑडिट को क्लीन चिट देना।

गुण

• एयरलाइन की प्रतिष्ठा व समय की रक्षा
• सुरक्षा ऑडिट का समय पर पूरा होना

दोष

→ कर्तव्यनिष्ठा के विरुद्ध
→ दीर्घकालिक हानि व दुर्घटना की संभावना
→ आगामी समय में सुधार नहीं

द्वितीय विकल्प → एयरलाइन पर सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करने पर कानूनी कार्यवाई की जाएगी

गुण
- एयरलाइन संबंधित सुरक्षा मानकों को लेकर प्रतिबद्धता
- दीर्घकालीन क्षति से बचाव

दोष
→ एयरलाइन की प्रतिष्ठा में कमी
→ मामूली मुद्दों की बड़ी सजा

मेरे द्वारा चुना गया विकल्प

मामूली मुद्दों के कारण सुरक्षा ऑडिट देने के बजाय एक निश्चित समयावधि में सभी मुद्दों को सुलझा लेने हेतु अतिरिक्त समय प्रदान करूंगी।

सभी मानदंडों की पूर्ति के बाद ही सुरक्षा ऑडिट को पूर्ण किया जाएगा।

कारण
→ कार्य की संस्कृति के अनुरूप
→ सर्वजनहिताय, सर्वजनसुखाय के अनुरूप
→ नैतिक दुविधा का समाधान

10. With the advent of 24x7 news and prevalence of an array of news sources across the board, the media is omnipresent in nature. In this competitive environment, many media professionals who are overcome by deadlines, bottom-line imperatives, and corporate interests are losing sight of the ethical implications of their work. Further, there have been several cases of irresponsible reporting where the reportage has interfered with court proceedings, compromised delicate security situations or led to the spread of fake or unverified news. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues prevalent in the profession of media.

(b) How does unethical reporting and sensationalization of news impact the society?

(c) What can be done to strengthen the role of ethics in media? **(20)**

24x7 समाचारों की शुरुआत और संपूर्ण बोर्ड पर समाचार स्रोतों की एक श्रृंखला के प्रसार से, मीडिया प्रकृति में सर्वव्यापी है। इस प्रतिस्पर्धी माहौल में, कई मीडिया पेशेवर जो समय-सीमा, आधारभूत अनिवार्यताओं और कॉर्पोरेट हितों को पीछे छोड़ चुके हैं, वे अपने काम के नैतिक निहितार्थों की दृष्टि खो रहे हैं। इसके अलावा, गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग के कई मामले भी सामने आए हैं जहां रिपोर्ट ने अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप किया है, संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों से समझौता किया है या गलत अथवा असत्यापित समाचारों को फैलाया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग और समाचारों को सनसनीखेज बनाने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(c) मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

मीडिया को 'लोकतंत्र का चौथा स्तंभ' माना जाता है। मीडिया का कार्य सिर्फ सूचनाओं का प्रसारण करना नहीं है, बल्कि समाज में शांति बनाए एवं का दायित्व भी होता है। गांधीजी ने निष्पक्ष मीडिया

को 'समाज की आवाज' कहा।

(अ) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दे

→ कर्तव्यवादी सिद्धान्तों एवं उपयोगितावादी सिद्धान्तों के मध्य द्वन्द्व की स्थिति

→ सूचना साझाकरण के साथ-साथ पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बनाए रखना।

→ फेक न्यूज, पेड न्यूज इत्यादि के चलते खराब कार्य संस्कृति

→ वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का दुरुपयोग

→ राजनीतिक अपराधीकरण एवं क्रोनी कैपिटलिज्म के चलते पत्रकारों की हत्या (गौरी लंकेश)।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग और समाचारों की सनसनीखेज बनाने समाज पर प्रभाव

→ अवचेतन स्तर पर समाज को लेकर नकारात्मक धारणा का निर्माण

→ समाज के वास्तविक एवं असली मुद्दों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य अन्य घटनाओं से जनता का भटकाव

→ आपराधिक गतिविधियों से ग्रसित होने की आशंका

→ राजनीतिक ध्रुवीकरण एवं वैचारिक ध्रुवीकरण की संभावना

→ लोगों का मीडिया पर से विश्वास में कमी

→ मीडिया की वैधता को लेकर समाज में कमी देखने को मिल सकती है।

(सी) मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने हेतु प्रयास

मीडिया में नैतिकता की भूमिका
- → मीडिया पेशेवरों में नैतिक मूल्यों का प्रशिक्षण
- → स्वतंत्र एवं पारदर्शी मीडिया का विकास
- → जनता तक स्पष्ट व तथ्यात्मक सूचना की पहुंच
- → मीडिया कर्मी व पत्रकारों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास

मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने हेतु प्रयास ↓

- मीडिया-कर्मियों को सम्मेलन, संगोष्ठी के माध्यम से नैतिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जा सकता है।
- ललन-टॉप के 'न्यूज़-रूम' की तरह एक चलती हुई वर्कशॉप

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का आयोजन जिसमें आचार्य प्रशांत विकास दिव्यकीर्ति जैसे शिक्षकों को आमंत्रित किया गया।

→ समय-समय पर आवधिक मूल्यांकन हेतु कानूनी मानदंडों का विकास किया जा सकता है।

→ फेक-न्यूज, पेड-न्यूज इत्यादि की समाप्ति हेतु बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग" का सम्यक् वाक् (फेक-न्यूज के विरुद्ध) की शिक्षा दी जानी चाहिए।

मीडिया समाज का आइना है, जो समाज की स्थिति को अक्स प्रदर्शित करता है। यदि आइना धूमिल होता है तो समाज भी स्वतः ही धूमिल पड़ने लगता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the Dean of Academics of a University. It has been brought to your notice that some students have raised a complaint against Mr X, a specially-abled Professor at the University, for not performing his academic duties diligently. The Head of the Department (HoD) tried to have a conversation with him regarding these complaints; however, Mr X feels that he is a victim of internal politics and is being discriminated against on account of him being specially-abled. He also conveyed to the HoD that he will file a complaint of discrimination against the University under The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016. As the Dean of Academics, it is your responsibility to uphold the academic standards of the University and take any administrative decision in this regard.

In this case, answer the following questions:

(a) State the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) What are the options available to you?

(c) Evaluate each of these options and state the option which you would choose, citing reasons. **(20)**

आप एक विश्वविद्यालय के अकादमिक डीन हैं। यह आपके संज्ञान में लाया गया है कि कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के एक दिव्यांग प्रोफेसर मिस्टर X के विरुद्ध अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करने के लिए शिकायत की है। विभागाध्यक्ष (HoD) ने इन शिकायतों के संबंध में उनसे बात करने का प्रयास किया है; हालांकि, मिस्टर X को लगता है कि वह विश्वविद्यालय की आंतरिक राजनीति के शिकार हैं और उनके दिव्यांग होने के कारण उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विभागाध्यक्ष को यह बताया भी है कि वह *दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016* के तहत विश्वविद्यालय के भेदभाव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराएंगे। अकादमिक डीन के रूप में आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों को बनाए रखें और इस संदर्भ में आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करें।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) उनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए उस विकल्प को बताइए जिसे आप चुनेंगे।

समावेशी समाज, वैसा समाज है जिसमें दिव्यांग जनों, समलैंगिकों, महिलाओं, वंचित वर्गों एवं ट्रांसजेंडर्स के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

साथ न्यायमूलक व्यवहार किया जाए।

प्रस्तुत घटनाक्रम से उत्पन्न इसी प्रकार के विवाद की विवेचना की गई है।

(अ) प्रकरण से शामिल हितधारक

- अकादमिक डीन "मैं"
- वियोगी प्रोफेसर 'मिस्टर-X'
- विभागाध्यक्ष
- कानूनी प्रावधान
- → विश्वविद्यालय
- → छात्र
- → सभी वियोगीजन
- → समाज

प्रस्तुत प्रकरण से शामिल नैतिक मुद्दे

→ विश्वविद्यालय में समावेशी एवं संधारणीय शैक्षणिक वातावरण

बनाए रखने का मुद्दा।

→ अकादमिक डीन होने के नाते विश्वविद्यालय में उपयुक्त वातावरण बनाए रखते न्याय की स्थापना का प्रयास।

→ दिव्यांगजनों के प्रति उपेक्षापूर्ण एवं भेदभावमूलक व्यवहार

→ शैक्षणिक एवं समाज के अन्य क्षेत्रों में वंचित वर्गों के हितों की रक्षा

(b) मेरे समक्ष विद्यमान विकल्प

प्रथम विकल्प → प्रोफेसर मिस्टर-X के खिलाफ कार्यवाई करेंगे।

गुण
- छात्रों की शिकायतों का निवारण
- शैक्षणिक कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन

दोष
- दिव्यांग जन संरक्षण अधि० के विरुद्ध विश्वविद्यालय के खिलाफ कार्रवाई
- विश्वविद्यालय की छवि को क्षति

द्वितीय विकल्प → बच्चों की शिकायत को अनदेखा कर, जैसा चल रहा है, वैसे चलने दें।

गुण
- दिव्यांग प्रोफेसर के हितों की रक्षा
- विश्वविद्यालय की छवि यथावत बनी रहेगी

दोष
- छात्रों की शिकायत की अनदेखी से छात्रों में नाराजगी
- प्रोफेसर द्वारा कर्तव्यों की अवहेलना की आशंका

तृतीय विकल्प → छात्रों की शिकायत का संज्ञान लेते हुए अपने स्तर पर प्रोफेसर मिस्टर-X के कार्य का निरीक्षण किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर प्रोफेसर मिस्टर-X को सबूतों के साथ वापस भेजा जाएगा। इससे शिक्षक-छात्र का संबंध व आंतरिक शैक्षणिक व्यवस्था भी बनी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

रहेगी।

(स) उपर्युक्त सभी विकल्पों में से मेरे द्वारा तीसरा विकल्प चुना जाएगा, क्योंकि

→ जाँच से पता चल जाएगा कि शिक्षक एवं छात्र कौन गलत है?

→ जाँच करने के बाद की गई कार्रवाई अधिक निष्पक्ष व तटस्थ होगी। प्रोफेसर मिस्टर-X को भेदभाव की अनुभूति से बचाया जा सकेगा।

→ 'अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख' के अनुरूप, (विश्वविद्यालय की छवि की रक्षा)

इस प्रकार समावेशी समाज की स्थापना हेतु शिक्षण, कानूनी सामाजिक स्तर पर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have recently been posted as the District Magistrate of a poor district in India where there is a high prevalence of manual scavenging. It has been brought to your notice that manual scavenging has claimed many lives in your district. Upon further enquiry, you found that most of the manual scavengers belong to a particular caste, and majority of them can find employment only by way of scavenging. Even some government departments in your district are employing these people for physical cleaning of sewers/septic tanks without basic safety gear and measures. Despite the rehabilitation programmes for manual scavengers, the administration has been found inefficient in identifying such people in the first place and the efforts to reskill them for employment elsewhere have not yielded desired results.

Based on the given information, answer the following:

(a) Identify the issues associated with manual scavenging.

(b) List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.

(c) Discuss some feasible steps that you can take to address this serious problem. **(20)**

आपको हाल ही में भारत के एक गरीब जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है जहां हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) का प्रचलन बहुत अधिक है। आपके संज्ञान में लाया गया है कि आपके जिले में मैला ढोने की प्रथा ने कई लोगों की जान ले ली है। आगे जांच करने पर, आपने पाया कि हाथ से मैला उठाने वाले अधिकांश लोग एक विशेष जाति के ही हैं और उनमें से अधिकांश केवल मैला ढोकर ही रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आपके जिले के कुछ सरकारी विभाग भी बिना बुनियादी सुरक्षा उपकरणों और उपायों के सीवरों/सेप्टिक टैंकों की भौतिक सफाई के लिए इन लोगों को नियुक्त कर रहे हैं। हाथ से मैला उठाने वालों के लिए पुनर्वास कार्यक्रमों के बावजूद, सर्वप्रथम प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान करने में अक्षम रहा है और अन्यत्र रोजगार के लिए उन्हें फिर से कौशल प्रदान करने के प्रयासों के वांछित परिणाम भी नहीं मिले हैं।

ऊपर दी गयी जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से जुड़े मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए आप जो संभव कदम उठा सकते हैं, उन पर चर्चा कीजिए।

भारत में प्रत्येक वर्ष हाथ से मैला उठाने वालों में 2000-2500 के आस-पास दम घुटने से मृत्यु होती है।

यह मानवता के विरुद्ध एवं मौलिक अधिकार अनुच्छेद 21 (मानवीय गरिमा की रक्षा) के विपरीत है।

प्रस्तुत प्रकरण उपर्युक्त मुद्दे का ही विवरण प्रस्तुत करता है।

(अ) हाथ से मैला ढोने से जुड़े मुद्दों की पहचान

→ सामाजिक मुद्दा
↳ समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव का परिणाम
↳ सामाजिक विषमता या असमानता को प्रदर्शित करता है।

→ आर्थिक मुद्दा → रोजगार की कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्धनता एवं बेरोजगारी में वृद्धि

→ कानूनी मुद्दा

→ हाथ से मैला ढोने वाले (निषेध) कानून, 2013 होने के बावजूद देश में प्रतिवर्ष हजारों की मृत्यु

→ कानूनों का उचित पालन का अभाव

(ब) प्रस्तुत प्रकरण में उपलब्ध विकल्प

प्रथम विकल्प → जिले में रोजगार की कमी एवं गरीबी होने के कारण हाथ से मैला ढोने की प्रथा को यथावत चलते रहने देना (निगरानी तंत्र के साथ)

गुण
- रोजगार की प्राप्ति
- गरीबी उन्मूलन
- मौतों में कमी

दोष
- व्यक्तिगत नैतिकता व कर्तव्य का उल्लंघन
- कानून का उल्लंघन

[द्वितीय विकल्प]→ सफाई कर्मचारी कल्याण आयोग के अनुसार कानूनी मानदंडों का पालन करते हुए जिले में रोजगार के अन्य अवसर, तकनीकी उपकरणों, मशीनों का प्रयोग करने का विकल्प।

↓
[गुण] → कानून का अनुपालन
→ मानवाधिकारों की रक्षा।
→ रोजगार की स्थिति
→ गरीबी उन्मूलन

(सि) [मेरे द्वारा उठाए गए कदम]

↓

- सफाई कर्मचारी कल्याण आयोग द्वारा जारी आँकड़ों की सहायता से एक रिपोर्ट का निर्माण, राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत करूँगी।
- "मैन होल से मशीन होल" की ओर लोगों को जागरूक करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ विभिन्न उपकरणों की सहायता से सफाई कार्यक्रमों की ओर लोगों को प्रशिक्षित करना।

→ उपकरणों के प्रयोग हेतु लोगों का प्रशिक्षण।

→ हाथ से मैला ढोने (प्रतिषेध) कानून का कठोर अनुपालन

→ सोशल मीडिया, नागरिक समाजों की सहायता से सामाजिक जागरूकता। (आर्टिकल -15 यूथ)

वर्तमान के डिजिटल युग में जहाँ समाज अंतरिक्ष में कॉलोनी बसाने का स्वप्न देख रहा है, वहीं दूसरी ओर समाज का एक तबका अमानवीय दशाएँ सहन कर रहा है। इसके समाधान हेतु सामुदायिक जागरूकता आवश्यक है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)